an>

Title: Need to give remunerative price for the crops in the country.

श्री नारणभाई काछड़िया (अमरेली) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं पूरे देश के किसानों के हित का सवाल उठाना चाहता हूं, इसलिए मुझे ज्यादा समय दें।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सामने एक बहुत ही जटिल समस्या बताना चाहता हूं, जो खेत में काम करने वाले एक किसान की बात है। हर व्यक्ति किसान की बात तो करता है, लेकिन उनके खेतों में, उनकी जिन्दगी में और उनके परिवार में जाकर कोई नहीं झांकता है कि वे 15 लीटर दवाई से भरी टंकी पीठ पर लादकर छिड़काव करते हैं, 20 किलोग्राम खाद की बोरी उठाकर खेतों में घूम-घूमकर फसल को खाद देते हैं। अघोÂिषत बिजली कटौती के चलते रात-रात भर बिजली चालू होने का इंतजार भी करते हैं। चिलचिलाती धूम में सिर का पसीना पैर तक बहाते हैं, जहरीले जन्तुओं का डर होते हुए भी खेतों में नंगे पैर घूमते हैं। आज पूरे भारतवÂाऩ में मजदूरी, खाद, बीज और बिजली के दाम बढ़ गए हैं, लेकिन एक किसान की फसल की कीमत क्यों नहीं बढ़ती है? एक किसान अपनी फसल की कीमत खुद क्यों नहीं लगा सकता है? किसान का रहन-सहन देखकर ही पता चल जाता है कि वह क्या कमाता है। वह बड़े अरमान और कड़ी मेहनत से फसल तैयार करता है, जब वह फसल को बेचने के लिए मंडी जाता है तो वह खुश हो जाता है, लेकिन उसे कुछ नहीं मिलता है। हमारे देश में एक माचिस की कीमत भी उस पर लिखकर आती है, लेकिन किसान अपनी फसल की कीमत नहीं लिख सकता।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं किसानों को उसकी फसल का एमएसपी मिले और पूरे देश के किसानों को उनकी फसल की सही कीमत मिले। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Chandra Prakash Joshi,

Shri Sudheer Gupta,

Shri Rodmal Nagar,

Shri Alok Sanjar,

Shri Anurag Singh Thakur,

Shri Devji M. Patel,

Kunwar Pushpendra Singh Chandel and

Shri Bhairon Prasad Mishra are permitted to associate with the issue raised by Shri Naranbhai Kachhadia.